The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

28/02/2022

रांची

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में 'भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाना' पर संगोष्ठी आयोजित

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड में "भारत में एफपीओ के लिए एक सतत रोड मैप बनाना" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथियों में डॉ ओंकार नाथ सिंह, कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ जी नरेंद्र कुमार, महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर), हैदराबाद, डॉ अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर और श्री सुब्रत कुमार नंदा, महाप्रबंधक, नाबार्ड, रांची क्षेत्रीय कार्यालय के उपस्थित थें। संगोष्ठी के दौरान कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान से डॉ संगप्पा और सुश्री मनु श्री संध्या को मिला।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "कोविड-19 महामारी के बावजूद, सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 2019-20 में 17.8% से बढ़कर 2020-21 में 19.9% हो गया। इस गति को बनाए रखने के लिए, किसानों की आय में पर्याप्त वृद्धि करना आवश्यक है ताकि कृषि को लाभदायक बनाया जा सके। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) इनपुट की लागत कम करके, कृषि उत्पादकता में सुधार और मूल्य प्राप्ति में वृद्धि करके भारतीय कृषि को बदलने के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं। पीडब्ल्यूसी और टैरिना द्वारा एफपीओ प्रभाव अध्ययन रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "हालांकि अब तक स्थापित एफपीओ से किसानों को फायदा हुआ है, वहीं एफपीओ के कामकाज में सुधार करने की जरूरत है ताकि किसानों को इसमें शामिल होने और बेहतर बनाने के लिए इसे और अधिक आकर्षक बनाया जा सके।

खाद्यान्न के अधिशेष वाले देश बनने में भारत की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कहा, "झारखंड में सामूहिक प्रयासों के माध्यम से फलों, सब्जियों और तुसर रेशम जैसे कृषि उत्पादों के उत्पादन को बढ़ाकर किसानों की आय को तीन गुना करने की जबरदस्त क्षमता है। . "डॉ। जी. नरेंद्र कुमार, डीजी, एनआईआरडी और पीआर ने एफपीओ आंदोलन को बनाए रखने के लिए एफपीओ के सदस्यों के बीच नेतृत्व के पोषण के महत्व पर प्रतिभागियों को प्रभावित किया। डॉ. अमर केजेआर नायक ने कृषि उत्पादों और सेवाओं के बेहतर डिजाइन के साथ-साथ अधिक गहन सामाजिक कनेक्शन और व्यावसायिक बातचीत द्वारा लेनदेन क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया।

झारखंड में एफपीओ की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नाबार्ड के प्रयासों की व्याख्या करते हुए, श्री सुब्रत कुमार नंदा ने कहा, "नाबार्ड ने बेहतर क्रेडिट लिंकेज के लिए एफपीओ नबकिसान को जोड़ा है और मूल्य निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी साझा करने के लिए एपीडा और ईएनएएम के साथ लिंक करने की योजना है। हम परामर्श परियोजनाओं और नेतृत्व के लिए क्षमता निर्माण के लिए इक्फ़ाई विश्वविद्यालय जैसे भागीदारों के साथ काम करने के इच्छुक हैं।

समापन सत्र के दौरान, स्वामी अंतरानदानजी, सहायक सचिव, राम कृष्ण मिशन आश्रम ने एफपीओ सदस्यों को मूल्यों के साथ काम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ अरुण कुमार, निदेशक, आईसीएआर, पूर्वी क्षेत्र और डॉ रमेश मित्तल, निदेशक, एनआईएएम, जयपुर ने भी समापन सत्र को संबोधित किया।

प्रो अरविन्द कुमार, रजिस्ट्रार, ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। डॉ भगबत बारिक, सहायक डीन के नेतृत्व में प्रबंधन अध्ययन संकाय के संकाय सदस्यों ने संगोष्ठी का समन्वय किया।

==========